भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2717
उत्तर देने की तारीख 09.03.2026

दुर्गा पूजा को अंतरराष्ट्रीय मान्यता और संवर्धन

2717. श्री ज्योतिर्मय सिंह महतो :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) यूनेस्को द्वारा दुर्गा पूजा को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दिए जाने के बाद इसे विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में दुर्गा पूजा के संरक्षण, प्रलेखन और वैश्विक संवर्धन में सहायता करने के लिए कोई विशेष निधि आवंटित की है;

(ग) क्या सरकार ने दुर्गा पूजा को वैश्विक मंचों पर प्रदर्शित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठनों, भारतीय दूतावासों और सांस्कृतिक संस्थानों के साथ सहयोग किया है;

(घ) क्या सरकार के पास पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा समारोहों के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन संवर्धन अभियानों का विस्तार करने की कोई विशिष्ट योजना है; और

(ड.) क्या दुर्गा पूजा के ऐतिहासिक, कलात्मक और सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व को उजागर करने के लिए कोई अनुसंधान या प्रलेखन परियोजनाएं शुरू की गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): संस्कृति मंत्रालय की वैश्विक भागीदारी स्कीम के तहत, वैश्विक स्तर पर दुर्गा पूजा को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठनों को सहायता अनुदान प्रदान किया जाता है।

(ख): वर्ष 2023 में, दुर्गा पूजा के प्रलेखन और अनुसंधान हेतु इस मंत्रालय द्वारा 22,29,244/- रुपये की राशि आवंटित की गई थी ताकि उसे अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के नामांकन के रूप में यूनेस्को को प्रस्तुत किया जा सके।

(ग): सितंबर 2025 में, संगीत नाटक अकादमी (एसएनए) ने टोक्यो में भारतीय बंगाली समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले 'इप्पन शादान होजिन इंदोजिनो सुदोई' की संबद्धता में दुर्गा पूजा समारोह का एक वीडियो साझा किया, जो पूर्ण भक्तिभाव और सांस्कृतिक उत्साह के साथ इस पर्व को मना रहे थे।

इसके अतिरिक्त, 8-13 दिसंबर 2025 तक लाल किला, दिल्ली में आयोजित अंतर-सरकारी समिति की बैठक के दौरान, यूनेस्को के अधिकारियों के साथ-साथ 190 से अधिक प्रतिभागी देशों के प्रतिनिधियों के समक्ष पारंपरिक धुनुची नृत्य का प्रदर्शन किया गया।

(घ): सरकार अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अपने 'अतुल्य भारत 2.0 अभियान' का विस्तार कर रही है, जिसमें यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्राप्त दुर्गा पूजा का प्रसार करने पर विशेष रूप से ध्यान केन्द्रित किया गया है। इस कार्यनीति में विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग, अंतरराष्ट्रीय मीडिया कवरेज और सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल हैं।

(ङ): संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तहत अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के लिए नोडल एजेंसी, संगीत नाटक अकादमी ने एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया, जिसने इस पर्व से जुड़े विभिन्न समुदायों, समूहों और व्यक्तियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक आउटरीच और फील्ड कार्य किया। हितधारकों के साथ इन फील्ड परामर्शों ने इन आयोजनों का विस्तृत विवरण प्रदान किया, जिससे जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं पर आधारित प्रत्यक्ष प्रलेखन संभव हो सका। ये पहल सामूहिक रूप से यह सुनिश्चित करती हैं कि दुर्गा पूजा के ऐतिहासिक विकास, कलात्मक उत्कृष्टता, अनुष्ठानिक प्रथाओं और सामाजिक-सांस्कृतिक आयामों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्थित रूप से दर्ज, परिरक्षित और संवर्धित किया जाए।

*****